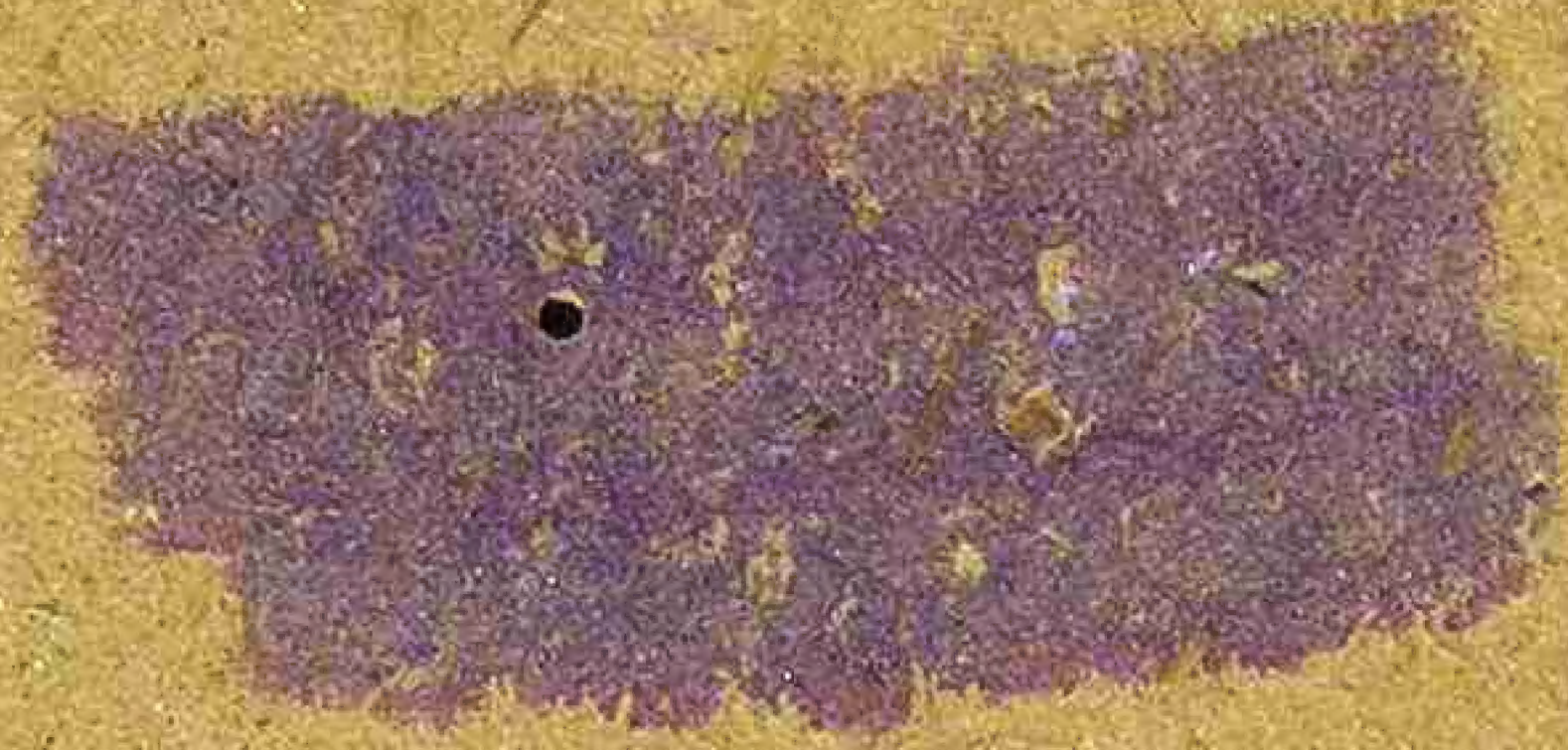


53026



निदाहृत्तुपीठवः॥०४॥ निश्चयैः
 प्रियैः मिहं प्रकमे निरालनः॥ सु
 यमेव दिते वरुः सभापि भन तिष्ठ
 मि॥०५॥ इया ह्युभिः विस्वद
 यिपे उं यषाः॥ सुद्ववद्वद्व
 पशुं भागमः कुरियितुता॥०६॥
 निरपेक्षे विचिकरे निरुः सां उला
 मयः॥ मगा एव दिगद्वैठवमि
 मश्वभनः॥०७॥ माकरभन उं
 विष्टिनिग करं तु निष्ठलम॥०८॥
 तुष्टेपदे मेनन पुनठव सभुवः॥०९॥
 यमेव मज्जमष्टमेऽमेतः परिउत्त

मः॥ उषैवाभिंस्त्रगीरेतुःपरितः
 परमेश्वरः॥ एकं भवगतं वैभवमि
 त्तुदधाम्पदे॥ निहंनिरतुगंवृद्ध
 भवत्तुतगालेडवा॥ ७॥ उहृष्ट
 वदे वा न वै दे लैकविंस
 ति पूषमंपूकरम्॥ ०॥ ॥
 मि॥ उवाम्॥ नृदेनिरास्त्रःसा
 त्तुतेपदंभुजतेःपरः॥ अतावत्तुभ
 दंकलंभेदेवैवविहृष्टिः॥ ०॥
 यथापूषमयभुकेदेरुमेनंतुष
 एगाता॥ नृतेभमएगात्तुचमभव
 नमकिह्वर॥ ७॥ भमगीरभिदंवि

सुषः
 ७

सधः
२

ਮਿਤਗਤਾਨਗਤਾਦਾਪੁਵਿਸ਼ਮਲਾ
ਤੁ:॥੦੭॥ ਸੁਦੇਸੁਦੰਤਮੇਮਫੁਮਫੇ
ਸ਼੍ਰੀਯਮਤੁਮ:॥ ਸੁਮੰਦੁਸੁਮਰੀਰੇ
ਲੇਯੇਨਵਿਸੁੰਸਿਰੰਧੁਤਮਾ॥੦੩॥ ਸੁ
ਦੇਸੁਦੰਤਮੇਮਫੁਯਧੁਮੇਨਸ਼ਿਕਿਫੁ
ਨ॥ ਸੁਥਵਾਧਧੁਮੇਮਚੰਧਧੁਧੁਮ
ਗੋਸਰਮਾ॥੦੨॥ ਲੁੰਲੁੰਧੰਤਥਾ ਲੁਤਾ
ਤਿਤਧੰਨਾਸ਼ਿਵਾਸੁਵਮਾ॥ ਸੁਲੁਨਾਧੁ
ਤਿਯੇਏਮੰਮੇਯਮਸ਼ਿਨਿਰਾਫੁਨ:॥੦੫॥
ਧੁਤਮੁਲਮਫੇਧੁਲੁੰਨਾਤੁਤਮੁਧੁਧੁਧੁ
ਧਯਮਾ॥ ਸੁਸੁਮੇਤੁਧੁਧਾਸਚਮੇਧੇ
ਧੁਮਿਧੁਧੇਮਲ:॥੦੬॥ ਰੇਧਮਾਏਧੁ

नमो नमो पाणि कल्लिंते भयम् ॥ एवं
 विभक्तं ते निहं निचिकले भुति
 मम ॥ ०१ ॥ प्रदे भयि भुतिं विभं
 वसुते नमयि भुतिम् ॥ नमेरुर्वे
 भुमेरुर्वे वाहतिः सात्रा निगम्य
 ०५ ॥ समरीरभि संविभं न किं हि
 मि निभित्तम् ॥ सुदुमि म इ सु
 मम उदुमि कल्प नुपन ॥ ०७ ॥
 मरीरं भुज नर के वरु मेरु के वरु उष
 कल्प नम इ मे वे उ किं मे क दं मि
 मम नः ॥ ९ ॥ सुदे ए न म भुदे पि
 र्दे उं प सुते मम ॥ मरुट भिव सं

मरु
 ५

ਘਟੰਕਾਰਤਿੰਕਰਵਾਏਨਮਾ॥੩॥
ਨਾਨਕੇਨੇਨਮੇਨੇਨੇਨੀਵੇਨਾਨਮਾ
ਦਿਮਿਤ॥ਸਧਮੇਵਫਿਤੇਰਕੁਸੁ
ਮੀਸੁਆਧੀਵਿਤੇਨਦੁ॥੩੩॥ਸਦੇ
ਫੁਵਨਕਲੈਲੈਚਿਮਿਤੈਧੂਕੁਮਤਿ
ਤਮਾ॥ਮਧੁਨਤੁਮਧਮੇਧੇਧਿਤੁਕੁ
ਤੇਸਮਧੁਤੇ॥੩੩॥ਮਧੁਨਤੁਮਧਮੇਧੇ
ਧੇਧਿਤੁਕੁਤੇਪ੍ਰਸਾਧੁਤਿ॥ਸਠਗੁਰ
ਲੀਵਵਲਿਲੇਲਾਗਤੈਤੇਵਿਨਸੁਰः
੩੪॥ਮਧੁਨਤੁਮਧਮੇਧੇਧਾਕਾਸੁਦੰਧੀ
ਵਕੀਸਧਃ॥ਤਸੁਤਿਪ੍ਰਤਿਪਿਲਤਿ
ਪ੍ਰਵਿਸਤਿਸੁਠਵਤः॥੩੫॥ਤਤਿਸੀ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
वैष्णव अष्टावक्र
वैष्णव म कंठितीयं प्रकर

भा॥ ७॥ गुरुगुवाय ॥ विष्णुवि

रामिनभाङ्गनमेकं विष्णुयुद्ध

उः॥ उवाङ्गल्लुपीरभुक्कषमङ्ग

त्तेनेभतिः॥ ०॥ सुङ्गल्लुगमद्वेपी

डिनिधयङ्गमगौमरे॥ सुङ्गेरल्लुग

तेलेठयषारणउविङ्गमे॥ १॥ वि

सुङ्गल्लुगतिउयडेमंडरङ्गउंवमागरे

मेङ्गमभमीडिविष्णुयकिंमीनः

वणवमि॥ ३॥ सुङ्गल्लुगतिउयडेमंडरङ्ग

भाङ्गल्लुगतिउयडेमंडरङ्ग

उपमेङ्गल्लुग

सुखः

मंमकुं मालिहमपिगसूति
मचकुतेभुमाङ्गनंमचकुता
माङ्गनि॥भुनेह्वरतसुस्रदंममड
मत्रवडु॥५॥सुस्रितःपरभाडै
उंभेकातेपिह्वस्रितः॥सुस्रदं
कभवसंगेविकलःकेलिभिद
या॥६॥उदुतंएनदमिडभवण
दातिप्रदुलः॥सुस्रदंकमभाक
हंकलभत्रुमत्रस्रित॥७॥उद
भड्विरकुशुनिह्वनिह्वविवेकि
नः॥सुस्रदंभेकाकमभुभेकापे
वविहीभिक॥८॥पीरभुनेह्व

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सु
 क्तं न केवलं पशुत्रयं पृथिवीं पृथिवी
 ७ ॥ मेधुभा नमो गीर्वाणं पशुत्रयं मरी
 रवत् ॥ संभवे मापि निमित्तं कथं
 कुरु मया मयः ॥ ०० ॥ भाया भाइ
 भिन्नं विषं पशुत्रिगुणं केतुकः ॥
 मयि मयि विदिते भूते कथं इति
 पीरपीः ॥ ०० ॥ निम्नं मानं संय
 धुनैराशुपि मया कृतः ॥ उभयं कुरु
 नमः पशुं उल्लसकेन एव ॥ ०३ ॥
 मया वामेन एव नैमः पशुमेतव किञ्च
 न ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मयः
 १

ਤਿਧੀਰਧੀ:॥੧੦॥ ਸਤੁ ਸੁਤੁ ਪਾਤਿ
ਸੁਨਿ ਸੁਤੁ ਸੁਨਿ ਰਾਮਿਖ:॥ ਧਮੁ ਧਮੁ
ਗਤਿ ਠਗੇਨ ਸੁਭਾਧਨ ਤੁਖੁਧੇ॥੧੨॥੩
ਤੁਖੁਵੇਰੇ ਵਾ ਪ ਰੇ ਦੇ ਸਤੁ ਸੁਤੁ
ਕੰਤੁ ਤੀਧੰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਮ॥੩॥
ਭੰਗੁਨੁ ਵੇਰੁ ਪਾਧਿ ਪੁ: ਸਿੰਧੇ ਲੁਨੁ
ਨੇਲੁ ਮਨ॥ ਲੁਨਿ ਤੁਸੇ ਪਮੇ ਪ੍ਰਧੰ ਮੁ
ਪ੍ਰਮਾਸੁ ਪ੍ਰਮਾਸੁ ਮੁਵਮ॥੧॥ ਧਤੁ ਸੁਲੁ
ਸੁਧੀਰੁ ਸੁਧੇਲੁ ਤੇ ਠਗਲੀਲਧਾ॥੧
ਧਿਸੰਸਾਰੁ ਵਾਨੀ ਕੇ ਸੁਧੇ ਧਮੁ ਧਮੁ
ਨਤ॥੩॥ ਧਧੁ ਮੰਪੇ ਪ੍ਰਵੇਸੀਨ: ਸਤੁ
ਸੁਧੁ ਧਮੁ ਵਤਾ:॥ ਸੁਧੁ ਤਤੁ ਸੁਧੁ ਤੇਧੇ

गोत्रममपगसुति॥७॥उल्लुप
 सुप्रपहंम्यसैहउरएयउ॥नल
 कसभुप्रभेनमृभुभानभिभंन
 तिः॥८॥सुईवेमंएगइचंलुउंये
 नमदइन॥यमसूयावउभानंउं
 निभेइंनभेउकः॥९॥सुवदभु
 भुपदउंइउगभेमउचिणे॥विह
 सुवादिभभइभिभुनिभुविवल
 ने॥१०॥सुदभमइयंकसिहउति
 एगमीभंभ॥यइउतिउइउकउं
 नठयंउभुउइमिडा॥११॥उइधूव
 ईसिपेनवेभइंमउं

मधु.
 5

पूक ॥ १ ॥ ॥ ॥ ॥

मभदेनश्चमिष्टेपिपरीक्षितः ॥ ॥ ॥
मृष्टेपमेसंलयेयोगमभारुवीतः ॥
नेमंष्टेसिकेनपिकिंसुदुइतुमिस्तु
मि ॥ मभनविलयेकपनेवमेवलये
वृण ॥ ७ ॥ उमेतिठवतेविश्ववगिरेरि
ववृणः ॥ ७ ॥ उतिष्टैकभास्तमेव
मेवलयेवृण ॥ ७ ॥ मभस्तुवृणः
प्रलुसुसपैरासृयेकमः ॥ मभएणि
विउमइः मवेवमेवलयेवृण ॥ ८ ॥
प्रहृमभटवभुइद्विस्वराभुमले
इयि ॥ ८ ॥ मभयं ववृतुमेवमेवल

निस्त्रयी॥ निचिकरेग ॥ १॥ भ
पिनैवेपसाधुति॥ १॥ रंसुरः भच
निमउनेदतुः॥ ३॥ तिनिस्त्रयी॥ ४॥ सुत
नलिउभचमः सातुः कापिनम
इते॥ ७॥ सुपमसं पमः कलेमेव
मेवेतिनिस्त्रयी॥ ८॥ धुः सुमेदिरे
निहंनवकुतिनमेमति॥ ९॥ भाप
दत्तेएनमहुमेवमेवेतिनिस्त्रयी
भाष्टमजीनिरायमः ऊचवधि
नलिधुते॥ १॥ मित्रयएयतेदत्ते
तुमेदेतिनिस्त्रयी॥ १०॥ उयदीनः भापी
सातुः भचइगालितुभदः॥ ११॥ न

दं दे दे न भि म दि वे पे द भि ति नि स्रयी ॥
 कै व लु भि व मं भू पे न म्भ र ट न उं द उ
 म ॥ ७ ॥ सु व द्म सु भु प द नु म रु भे वे ति
 नि स्रयी ॥ नि चि क ल्यः सु मि म्भ उं द
 पु प पु वि षि च उः ॥ १ ॥ न न सु द भि
 मं वि स्र न कि ण्णु दि ति नि स्रयी ॥ नि च
 म नः सु ति म्भ इ न कि ण्णु दि व स भू
 ति ॥ ५ ॥ ॐ ह्र व र्जै र्जै ह्र व र्कं
 न भै क म्भ मं भू क र म्भ ॥ ०० ॥
 मि भू उ व म्भ ॥ २ ॥ क य न ह म रुः
 प्र चं उ उ व गि भु र म रुः ॥ सु म मि
 नु म रु सु म्भ मे व मे वं रु म्भ भि उः

नमः
 ७३

०॥ श्री हठ वेन मल मेर मरुतु मरुतु
 ३॥ विके पै क ग ह म या व मे व ग भु
 ३॥ ३॥ अभाष्टा भामि विकि पु वृ प
 ४॥ अभाष्टे ॥ एवं विले क नियम
 मेव मेव द म भु ३॥ ३॥ दे ये प म
 य विर द मे व द म वि भ म ये ॥ म ठ
 क म मृ दे व द म मे व द म भु ३॥
 ४॥ क म मृ मृ मृ मृ मृ मृ मृ मृ मृ
 मृ ॥ व द म मृ गि मं उ मृ मे व मे व द
 म भु ३॥ ५॥ सु मृ मृ मृ मृ मृ
 नं सि उ मृ मृ मृ मृ मृ मृ ॥ विक लं
 म म वी हं उ मे व मे व द म भु ३॥

ॐ॥ सुमिहं मित्रुमत्रेपि मित्रुपुंठ
 एतुम॥ इह उह वनं उह मेव मे
 वं दम भिउतः॥ १॥ एव मेव न उं ये
 न भन उं के व उं मे॥ एव मेव पुठ
 वेय भन उं के वे म मे॥ ५॥ इह
 वं ॐ एव मेव पुं न भ सु म सं
 पुं न भ॥ ०९॥ मित्रु उ व म॥ २॥
 सकि पुं न वं च पुं के भी न दे पि न ल
 ठ म॥ इह ग म ने वि न य म म न
 म मे य वं आय म॥ ०॥ इह पि पि
 म व य पु रि न इह पि पि मु उ॥ मः
 इह पि उ इह पु न य के भिउतः आय

सुधः

०२

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

ਲੇਵੁ ਫੁਰਿਏ :॥ ਸੁਠੁ ਸੁਠੁ ਵਿਠੁ ਯ
 ਮਾਮਧਮਾ ਮੇਧਧਾ ਮਾਧਮਾ॥ ੧॥
 ਭੁਵਨੁ ਭੁਵਨੁ ਭੁਵਨੁ ਭੁਵਨੁ
 ਰਾਮਾਇਣੁ ਸੰਪੁਕਰਾਮਾ॥ ੦੩॥ ੨
 ਸਿਧੁਤਵਾ॥ ੧॥ ੨॥ ਪ੍ਰਭੁਤੁ ਸੁਤੁ ਮਿ
 ਤੇਧੁ : ਪ੍ਰਭੁਤੁ ਸੁਤੁ ਵਨੁ :॥ ਨਿਧਿ
 ਤੇਵੇ ਪਿਤੁ ਭੁਵਨੁ ਸੰਸਾਰੁ ਨਿਧਿ
 ਮ :॥ ੦॥ ਕਾਧੁ ਨਿਧਿ ਮਿਧੁ ਨਿਧਿ
 ਮੇਵਿ ਪਧੁ ਮੁਖੁ :॥ ਕਾਸਾ ਮੁਖੁ ਮ
 ਵਿਧੁ ਨਿਧਿ ਮੇਗਲਿਤੁ ਮੁਖੁ॥ ੩
 ਵਿਧੁ ਤੇ ਮਾਧਿ ਪੁਰੁ ਮੇਧੁ ਮਾਧੁ ਨਿ
 ਮੇਧੁ॥ ਨੈਰੁ ਮੇਧੁ ਮੇਧੁ ਮੇਧੁ ਮਿਤੁ

ਸੁਧੁ
 ੦੫

ਮੁਕਤਿਐਮਮ॥੩॥ ਸੁਤੁਖਿਕਲਪੁ
ਵੁਧੁਰਫਿ: ਸੁਸੁਕੁਸਾਵਿਲ:॥੪॥
ਤੁਮ੍ਹੇਵਸਸਾਸ਼ਾਤੁ ਸੁਸੁਸਾਸਾ
ਵਤੁ:॥੫॥ ੭੮ ਪ੍ਰਵਰੁ ਕੋ ਸਾ
ਸਤੁਖੁ ਨਾਮਸਤੁਕੁਸੁ ਮੁਕਤਿਲਾਸੁ॥
੦੨॥ ੭੯ ਗੁਨੁਨਵਾਸੁ॥੧॥ ਯਥਾਤਥੇ
ਪਦੇਸੇਰਥਾਤੁਕੁ: ਮਤੁਵਸਿਮਾਨੁ॥੨॥
ਲੀਵਮਪਿਲਿਲੁਸੁ: ਪਰਸੁਤਵਿਮੁ
ਰੂਤਿ॥੩॥ ਮੇਧੇਵਿਖਯੇਵਰਸੁਰਵੇ
ਵੇਖਯਿਕੇਰਮ:॥੪॥ ਅਤੁਚੇਵਵਿਲੁ
ਨੰਧਥੇਸੁਮਿਤੁਥਾਤੁਕੁ॥੫॥ ਵਾਗਿ
ਪ੍ਰਲੰਮਦੇਧੇਗੰਧਾਨੰਧੁਕੰਧਾਨੁਲ

मभा॥ करैतिउडुतेयेयभउभुके
 गेकुकाठि॥७॥ नहंमेदेनउमेदेह
 उककुभवठवभा॥ मिदुयेभि
 मभाभाकीनिरपेक्षः सायंमर
 ॥१॥ गगडेकमनेपमनेनभनभु
 कममन॥ नेचिकलेभिरेण्ड
 निचिकेनः सायंमर॥५॥ मचकु
 उभमाडुनंमचकुउनिमाडुनि॥
 विष्टयनिमदुदुरेनिमभसुंम
 णीठव॥७॥ विष्टंमदुरतिगडेमं
 उरष्टंउवभागरे॥ उडुभेवनमने
 रुष्टिमुडेविष्टरेठव॥१॥ सुह

मधु.
 ००

[illegible]

कषंऊइदेयेपाइवकल्यन॥०३॥
 एकभित्रवृयेमात्रेपिमाकमे
 मलेइयि॥ऊउएमऊउकमऊ
 ३६६६६६६६॥०३॥यइंभसुमिउ
 इकभुमेवपुतिठसमे॥किंभष
 गठभउतेसलकएककमत्रपरभा
 ०२॥सयंसेकमयंनदंविठगमिदि
 संइए॥माचभाइइतिनिस्त्रिइनिवि
 कल्यःभापीठव॥०४॥उवैवक
 रउतेविस्त्रंमेकःपरभाऊउः॥ऊउ
 नउतेसुमंसागीनसंभागीसंकस
 न॥००॥इतिभाइमिमंविस्त्रं

सधः
 ०१

किङ्किमिडिनिपुयी॥ निचासनःभु
 विमईनकिङ्किमिवसाभुति॥०१॥
 एकएवठवाभेएवाभीष्टाभुवि
 धुति॥ नउतरेभिभेदेकठउठः
 भापंसर॥०५॥ भासकल्पविकल्प
 हंमिडुंठैठयमिन्मय॥ उपसाभु
 भापंतिधुसाङ्कटान्नविगरे॥०७॥
 इएपिष्टानंभचइभाकिङ्किदूमि
 एवय॥ सुम्भंभुर्जाएवाभिकिंवि
 भसुकनिधुभि॥३॥७॥ इष्टुवर्के
 के उष्टुपमेसविंसतिकं पद्म
 मंभुकराभा॥०५॥

सुमहामुखा उडना नामाभूट
 केरुमः॥ उषाधिउवनश्च भुंभच
 विभक्तमृते॥०॥ हेरांककम
 मणिंवाकुनविष्टुउषाधिउ॥ मिडुं
 निरभुमचामभटुंरैमयिधुति॥
 ३॥ सुयामाङ्कलेरुस्त्रीनैरंर
 उिकसुन॥ मनेनैवैपदेमेनपटःपु
 प्रेडिनिचडिभा॥३॥ वृपारेपिह
 उयभुनिभेभेभेभयैरधि॥ उहल
 मपरील्लुमुभायंनट्टुकमुमि
 उ॥॥॥ उंमंनडुभिंनेडिचुवैमु
 ऊंयमभनः॥ पमऊकभभेकेपुनि

नक्षः
 ०५

रभेकंडमठवेडा ॥ ५ ॥ विरकुविषय
सुधुगगीविषयलेखपः ॥ गुरुभेक
विनीनसुनविरकुनरागवडा ॥ ६ ॥
देयेपमेयडाउधुंभगरविटपकुः
भुदएणीवडियवडेनिचिमरम
भुदभ ॥ ७ ॥ पूतडुएयडेरगोनिच
डुडेपावदि ॥ निडुडेगलवह्रीभा
नेवमेवहवभुडः ॥ ८ ॥ दडुभिभुडि
भंभारंगगीदल्लएरुभया ॥ वीउरा
गोदिनिडुडुमुभिन्नपिण्डुडे ॥ ९ ॥
यष्टाहिभावेभेकेपिमेदेपिभभड
उषा ॥ नवगुनीनवयेगीकेवलंरुल्ल

ठगामे॥०॥^{लोपि}दूरेय^{लोपि}मेष्टुतेदगिक
 मलमभवाः॥३॥पिनउवश्चुंम
 चविमभवा॥७॥मते॥००॥ॐष्टुव
 के॥विमेषपरेमेकामसकंभेदुसंपु
 कराम॥॥००॥उरएनदलंपुपुंये
 गहमदलंडवा॥रुपुःचमुद्रिये
 निहमेककीरभतेउयः॥०॥नकम
 मिहगहृभिंमुदुहृदुयिमुते॥य
 उपकेनतेसंपुलंबुज्जाममल
 भा॥३॥नएउविधयाकेपिभुगभंद
 मयदुभी॥मलकीपल्लवप्रीउभिवे
 ठनिधुपल्लवः॥३॥यहृठेगोपुउके

७७

धनठवडुतिनकुडा॥ नहुतेपुनम
 कंछताम्सैवचरुः॥२॥ वडु
 रुगिवसंसागेभुभुकरभिष्टुमु
 ठेगमेकनिग'क'क्षीविगलेदि
 भदसयः॥५॥ पद्मऊकभभके
 धृणीविउभरलेउषा॥ कष्टधुम
 रमितुष्टदेयेथामेयडानदि॥७॥
 वाङ्मनविश्रविलयेनडेपभुष्ट
 मकिउडे॥ यषाणीविकयाउभ्रा
 दूटसुसेयषाभापभा॥१॥ रुडा
 ऊनेनल्लनेनहेवंगलिउपीःदडी
 पष्टुष्टुवःस्तुमस्त्रिप्रत्रसत्रसे

यधैभ्यामिभ्यां॥५॥ कृत्वा मृधुचषा
 मेधुविकल्पा गोत्रियगलिमा॥६॥
 मृधुविकल्पा गोत्रियगलिमा॥७॥
 मृधुविकल्पा गोत्रियगलिमा॥८॥
 मृधुविकल्पा गोत्रियगलिमा॥९॥
 मृधुविकल्पा गोत्रियगलिमा॥१०॥
 मृधुविकल्पा गोत्रियगलिमा॥११॥
 मृधुविकल्पा गोत्रियगलिमा॥१२॥
 मृधुविकल्पा गोत्रियगलिमा॥१३॥
 मृधुविकल्पा गोत्रियगलिमा॥१४॥
 मृधुविकल्पा गोत्रियगलिमा॥१५॥
 मृधुविकल्पा गोत्रियगलिमा॥१६॥
 मृधुविकल्पा गोत्रियगलिमा॥१७॥
 मृधुविकल्पा गोत्रियगलिमा॥१८॥
 मृधुविकल्पा गोत्रियगलिमा॥१९॥
 मृधुविकल्पा गोत्रियगलिमा॥२०॥

मिडेनएरागिकेवलमिवमंमिउः
 ०५॥ निम्मेभिमिरुहुरेनकिगिदिमि
 डिनिच्चउः॥ सुउजालिउभचमः
 ऊचत्रपिनलिपुते॥ ०७॥ मनपूका
 ममंभेदसप्रएगुदिवलिउः॥ ८
 मांकाभपिमंभुपुठवेकलिउभन
 मः॥ ९॥ ॐ ह्रूवरु के उहुहुर
 सुउपंभमभुमंभुकरलभ॥ १०
 यमुठैठैमयेउवमुप्रवमुवउिह
 मः॥ उभैभुपैकउपायनभम्राउ
 यउएमे॥ ११॥ सुलियिकुपिलान
 ऊठैगानप्रेतिपुक्कलन॥ नदिभ

नमः
 १०

चपरिहृयसमुच्चयः ॥

३॥ कउहृदस्वभउाडइलामगु

तुल्यः॥ कुतः पसमपीयुषण

मरुभउत्तुयभा॥३॥ठवैयुयव

नमोऽनकिं मित्रमभाऊतः॥ नमः

ॐ नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

मव'भुनःपद्ममा॥निचिकल्मानि
समाप्तं निजिचानं निःकृताम्॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

२३:॥ त्रीं उमेक निरुण्डे निरुव

॥ॐ नमः शिवायः॥ॐ नमः शिवायः॥

भाइभाइ भुक्त भुक्त भुक्तः॥ॐतिवि
 लुयणीरेदि किमह भुक्तिराल
 वडा॥१॥ सुद्ध बुद्ध भुक्तिरिष्टुठ
 वडावोमकलियते॥ निष्कृमः किं
 विरन भुक्तिरिष्टुठमकरीति किम
 ५॥ मयं मेरुमयं नरुमि तिक्ती
 ७॥ विकल्पनः॥ मचभाइति नि
 सिद्धुठुंही कुत भुयैगिनः॥७॥
 नविद्धेपैमैक गुरु भुक्तिरिष्टुठ
 रुडा॥ नभुक्तिरिष्टुठमचमभम
 उभुयैगिनः॥०॥ भुक्तिरिष्टुठ
 वडावलहेलहेलनेवने॥ निचि

मधु.
 ३३

कल्पसुखवशुत्रिमेधायुयेगि
नः॥००॥ कृणुः कभव कभः क
माऊः क विवेकिउ॥ उंरुउभि
मनेति दुद्वेमुकुभुयेगिनः॥०१॥
ठहंकिभभिनेवभुनकमिदुमि
रफुन॥ कृषाणीवनमेवेरुणी
वमुकुभुयेगिनः॥०२॥ कृभैरुः
कभवविश्वकाउदुनंकाधकुउ
भवमफल्यभीभयैविमूनु
भुमरुदुनः॥०३॥ येनविमूभि
मंरुभुभनभुीतिकरेउवै॥ नि
वभनः किंकुमुउपमुत्रपिनप

सू. ७३

३
मदि यद्वा माया उत उतः ॥ ३८ ॥ सुतः भ
पभा ॥ ३९ ॥ निचः भने निगलभुः सु
मूने भकुर्वन्तः ॥ ४० ॥ सुतः सभा रवा
रेन मेधुतः सुधुः पलवता ॥ ४१ ॥ सुभं
धुः रभुनका पिनरुहे न विधा मिता
भमी उलभनः निहुं विरेरु उं वरा
एते ॥ ४२ ॥ ऊरु पिनरि दभा भिना
मेवा पिनरु इमिडा ॥ सुद्वरा भभु
पीरभुमी उलः सुतरा उतः ॥ ४३ ॥ सुद्व
हः सुतरा मिता सुकुर्वन्ते सुयन्तः सुय
भुनन्ते सुवपीरभुनभा नेन वभा
निता ॥ ४४ ॥ कतं मे देन कमे मं न भय

92

ਮਤੁਖੁ ਮਕੁ ਕੁੰਦੁ ਵਲਿ ਤਮਾ ॥ ਨਿ
ਰਾਮੰਗਰੁ ਮੰਦੁ ਯੋ ਤੁੰ ਮੁਕੁ ਮੁਗਾਣੇ
੩੦ ॥ ਨਿਯੁ ਤੁੰ ਸੇਖੁ ਤੁੰ ਵਾਪਿਯ ਸਿਤੁੰ
ਪ੍ਰਵਤੁੰ ਨਿਤਿ ਮਿਤੁ ਮਿਸੰ ਕਿੰਤੁ ਨਿਯੁ
ਯਤਿ ਵਿਸੇਖੁੰ ॥ ੩੦ ॥ ਤੁੰ ਯਸਾ ਤੁੰ
ਕਲੁ ਮਨੁ : ਪ੍ਰਾਪ੍ਰੇਤਿ ਮੁਕੁ ਤਮਾ ॥ ਸ
ਥਵਾ ਯਾਤਿ ਮੰਦੁ ਸਮੁਕੁ ਕੈਪਿ ਮੁਕੁ
ਵਤੁ ॥ ੩੧ ॥ ਆਕਾ ਗਤਾ ਨਿਰੇ ਪੈ ਕਾਮੁ
ਮੇਰੁ ਹੁੰਦੁ ਤੁੰ ਸਮਾ ॥ ਧੀਰੁ ਹੁੰਦੁ
ਮਾਤਿ ਮੁਕੁ ਪ੍ਰਵਤੁ ਪ੍ਰਮੇਤਿ ਤੁੰ : ॥ ੩੨
ਸਪ੍ਰਯਤੁ ਮੁਕੁ ਮੁਕੁ ਮੁਕੁ ਮੁਕੁ ਮੁਕੁ ਮੁਕੁ
ਚਤਿ ਮਾ ॥ ਤੁੰ ਨਿਯੁ ਮਾਤੁ ਪ੍ਰਾਪ੍ਰੇਤਿ

कवतिचिचुडः॥३६॥ सुहृवहृषि
 यंप्रलंविचुपुपुं विरभयभा॥ सु
 सुनंतेनएनविउडहृमपकलडः
 ॥३७॥ नप्रेतिकडममेकंविप्रम
 हसडुपि॥ ॥ ॥ विह्वनभाडे
 मडुपिपुहृविचिचः॥३८॥ मुह
 नप्रेतिउडमयतेहविउमिसुति
 मसिसुडपिपिदिपिपुमसुड
 पठक॥३९॥ विरंगरागुरुहृग
 मुहमसापमकः॥ ॥ ॥ ॥
 उमलपुमुलसेमहृतेवणेः॥४०॥
 नमतिंलहतेमुहयतःसमिडुमि

मधुः
 ३५

मू० ३॥ पीरभुं विनिमिहं चमसा
 तुल्यमः ॥ २७ ॥ काभनेमनंत
 भुयम्भुमवलभुते ॥ पीरभुंतं
 पमुतिपमुतुम्भुनभुयभा ॥ २८ ॥
 कनिरेतेविभुम्भुयेनिडुंकरे
 तिवे ॥ अगभभैवपीरभुमचम
 भावतुडिभः ॥ २९ ॥ ठवभुठवक
 कस्मिन्नकिस्मिन्वकेपरः ॥ ३० ॥
 यठवककस्मिन्वेवनिगकुलः
 ३१ ॥ सुभुमभुयभुनठवयति
 ऊर्ध्वयः ॥ ३२ ॥ एवतिभंभेदुह
 वल्लीवभनिचडः ॥ ३३ ॥ भुभुद्वेव

द्विगलधुमत्रये॥ नविहृते॥ निगल
 भैवनिष्कभाद्विहृते॥ नविहृते॥
 २२॥ विषयशीभिनेवीहृमकडः
 मगलतिनः॥ विमतिगतिहृते॥
 नरेपैकगृभिहृते॥ २५॥ निचम
 नरगिन्धुहृते॥ विषयमतिनः॥
 पलायतेनमकाभुमेवतेनउमा
 एवः॥ २७॥ नभक्तिकरिकंण्डेनि
 मकिपुत्रभाभः॥ पशुहृते॥
 मलिभूत्रमत्राभुयषाभुयभः॥
 २८॥ वसुमव॥ भडे॥ सुहृते॥
 त्रिगलः॥ नैवमभंगमभंग

मधु.
 १०

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

न॥ नि॥ कल्पनापीरामवद्वभक्त
 वद्वयः॥५॥ मेडियेमेवउंतीऊमस्त
 नंदुपतिंभियभा॥५॥ मप्रलुपी
 गधुनकमिदुमिवभन॥५॥ हरे
 पईकलेईसुमेदिरेसुपिगोईलेः
 विरुष्टुपिदुतेयेगीनयातिविक
 तिंभनका॥५॥ मंडुपेपिनमंडुपे
 द्वित्रीपिमनयिदुते॥५॥ सुदममं
 उंउंउंसावएउं॥५॥ कउव
 उवमंभाउंउंपुतिअरयः॥५॥ सु
 रुकरनिरकरनिचिकमि
 भयः॥५॥ मुकुचत्रिभमईरुहु

ਗੁ: ਮਚਤੁ ਪੁਰੁ ਧੀ: ॥ ਤੁ ਖੇਤ ਪਿਤੁ ਕ
 ਟੁ ਨਿਤੁ ਸਲੇਖਿ ਨਿਰਾ ਕੁਲ: ॥ ੧੫ ॥
 ਮਾਧਮਾ ਮੁਮਾਧੰ ਸੇਤੇ ਮਾਧਮਾ ਧਤਿ
 ਧਾਤਿ ॥ ਮਾਧੰ ਵਤਿ ਮਾਧੰ ਭੁਭੁਵ
 ਵਰੁ ਰੇ ਪਿਸਤੁ ਧੀ: ॥ ੧੬ ॥ ਮੁਰਾ
 ਵਾਸੁ ਮੁਖੇ ਵਤਿ ਲੈਕ ਵਰੁ ਵਰੁ ਰਿ
 ਲ: ॥ ਮਰੁ ਰੁਸੁ ਭਵ ਕੈ ਭੈ ਗਤ ਲੈ
 ਸ: ਮਸੇ ਠਤੇ ॥ ੧੭ ॥ ਨਿਕੁ ਤਿਰ ਪਿਮੁ
 ਰੁਸੁ ਪੂਰੁ ਤਿਸੁ ਪਾਧੰ ॥ ਪੂਰੁ ਤਿ
 ਰ ਪਿਧੀਰੁ ਮੁਨਿਕੁ ਤਿਠ ਲਠਾ ਗਿ
 ਰੀ ॥ ੧੮ ॥ ਪਰਿਗੁਰੁ ਧੁਵੈ ਗੁੰ ਪੁੰਧੈ
 ਮੁਰੁ ਮੁਸੁ ਮੁਤੇ ॥ ਮੇਧੈ ਵਿਗਲਿਤਾ

निचिकल्पमभवत् ॥ १० ॥ अथ

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

यइऊमंहाभीधलुआमविगूढः
 मरुडिभेनवसिद्धेभम'पिटचुव
 तुते॥७॥रङ्गनइकिभुतेनल्लुइउ
 मरुसयः॥हेगभेकनिरकही
 मरुमचइनीरमः॥७५॥मरुम
 मिणगइउनामभ'इविष्टुभि
 उभा॥विदयसुदूरेणचकिंठइ
 भवसिधुते॥७७॥रुमहुउभि
 मंमचंकिफ्लिवा'मु'तिपिसुयी
 मलहु'र'ःसुदूःचठवेन
 वस'धुति॥१०॥सुदू'र'ऊ
 पधुमसुठवमपसुतः॥कवि

णिः क म वैरा गुं क ह गः क स भे
 पिवा ॥ १० ॥ भू र ते न तु कु पे ल पूरु
 तिं म न प सु उः ॥ क र वः क म व भे
 कः क र वः क वि ध मि उ ॥ ११ ॥
 व द्वि प द तु मं म गे म य म इ वि व
 उ उ ॥ नि म मे नि र द ह गे नि क मः स
 ठ उ व णः ॥ १२ ॥ म क यं ग उ म तु प म
 म नं प सु उ ते भू नेः ॥ क वि हः क म व
 वि सं क रै वै दं म भे ति वा ॥ १३ ॥ नि
 रै उ मी नि क म नि ए द ति ए उ
 णी द मि ॥ भू र व य ल भं सु क तु
 म प्रे ह उः क ॥ १४ ॥ १५ ॥ म नः सु

म. ३७

